हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 267 देहरादून, मंगलवार, 18 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव पर महाराज को मिला देशभर के मंत्रियों का समर्थन 3

उत्तराखण्ड की उन्नति के होंगे आने वाले दस वर्ष : सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आने वाले 10 वर्ष उत्तराखण्ड की उन्नति के होंगे इसके लिये सभी विभाग को विकास के लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिये गये हैं, उन्होंने कहा कि विकास की दृष्टि से उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना हमारा लक्ष्य है।

सोमवार को विकासखण्ड कनालीछीना के मुवानी में शेर सिंह कार्की सरस्वती विहार विद्यालय में भाऊराव देवरस सभागार का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्यालय के विस्तार के लिये 50 लाख की धनराशि, रामगंगा में मोटर पुल के निर्माण तथा मुवानी महाविद्यालय की स?क का डामरीकरण किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 तक उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, इसके लिए खेल, शिक्षा, पर्यटन, उद्योग आदि प्रमुख विभागों की नई नीतियां बनाई गई हैं, इसमें स्वरोजगार की योजनाओं को प्रमुखता दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पलायन जैसी समस्या के निराकरण के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। युवाओं के हित में विभिन्न विभागों की स्वरोजगार परक नीतियां बनाई गई है हमारा प्रयास अपने युवाओं की क्षमता का उपयोग राज्य हित में किये जाने का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ''वोकल फॉर लोकल'' का नारा दिया है, उसे धरातल पर उतारने हेतु हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि उत्तराखण्ड देश और दुनिया का नम्बर वन पर्यटन प्रदेश बनने के साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की भी वैश्विक पटल पर पहचान बने। उन्होंने कहा कि इस बार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड की झांकी मानसखण्ड को प्रथम पुरस्कार मिलना प्रदेश के साथ ही हमारी लोक संस्कृति का भी सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से अपेक्षा की कि वे अपने जीवन में जो भी लक्ष्य चुनें उसमें पूर्ण मनोयोग से कार्य करें। यदि हम किसी कार्य को पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से करते हैं, तो उसमें सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि जो भी अपना कार्यक्षेत्र चुनें, उसमें लीडर की भूमिका में रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। हम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में राज्य के लोगों को रोजगार और स्वरोजगार से जो?ने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। ये प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज वैश्विक पटल पर हमारा देश विश्व को एक नई दिशा दिखाने का काम कर रहा है। प्रधानमंत्री जी का हमारी देवभूमि के प्रति विशेष लगाव रहा है और इसे हमारे यहां केंद्र सरकार द्वारा संचालित हो रही विशिष्ट परियोजनाओं के माध्यम से समझा जा सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों के विकास का कार्य जो पहले एक सपना मात्र लगता था वह आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में संभव होता दिख रहा है। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने अपने संबोधन में शेर सिंह कार्की द्वारा समाज हित में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिये मुंबई वासियों द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सांसद अजय टम्टा, विधायक डीडीहाट बिशन सिंह चुफाल, विधायक गंगोलीहाट फकीर राम, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती दीपिका बोहरा, जिलाधिकारी रीना जोशी, पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव डॉ. संधु ने ली केदारनाथ हेली सेवा के सम्बन्ध में बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने केदारनाथ हेली सेवा के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के रजिस्ट्रेशन देखते हुए बहुत अधिक संख्या में यात्रियों के आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को कम से कम परेशानियां हों इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि टिकटों की बुकिंग में धोखाधड़ी और काला बाजारी को रोकने के लिए अधिक से अधिक आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाए। साथ ही, काला बाजारी करने वालों के खिलाफ एफआईआर करवाई जाए। उन्होंने आईआरसीटीसी के साथ ही उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण द्वारा भी लगातार अनुश्रवण किए जाने की आवश्यकता बतायी है। मुख्य सचिव ने चारधाम यात्रा से सम्बन्धित सभी जनपदों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षित पीआरडी जवान उपलब्ध कराए जाने हेतु सम्बन्धित विभाग को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने शिकायतों के निस्तारण एवं रिफंड के लिए 24*7 व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को नकली वेबसाइटों और साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए अधिक से अधिक जागरूकता फैलाई जाए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, सचिव दिलीप जावलकर एवं अपर सचिव नागरिक उड्डयन सी. रविशंकर सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव डॉ. संधु ने की पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सोमवार को सचिवालय में पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने पीएम स्वनिधि योजना के अन्तर्गत राज्य के 25 हजार स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण उपलब्ध कराने के लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा में हासिल करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिक से अधिक वेंडर्स को प्रोत्साहित करने के लिए योजना का प्रचार प्रसार किया जाए। क्षेत्रों में कैंप आयोजित कर प्रलेखन आदि का कार्य पूर्ण कराए जाएं। मुख्य सचिव ने एसएलबीसी को बैंकों को भी अस्वीकृत आवेदनों के तेजी से निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि बैंक वेंडर द्वारा पहले अंश के 10 हजार जमा करने के बाद दूसरे और तीसरे अंश के 20 हजार और 50 हजार के आवेदनों की स्वीकृति में देरी न लगाएं।

इस अवसर पर सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी, अपर सचिव शहरी विकास नवनीत पाण्डे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

Teck World : आ गई फोन धोने की वॉश बेसिन, करेगी सेनेटाइज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अप्रैल , भारत के साथ ही दुनियाभर में कोरोना महामारी की वजह से कई तौर-तरीकों में बदलाव हो गया है। ऐसे में तकनीक ने भी काफी तेजी से काफी बड़े आविष्कार किए हैं। जैसे कोविड के बाद फल और सब्जियों को धोने के लिए एक अनोखे डिवाइस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ना। ऐसे में हमारी और आपकी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका स्मार्टफोन भी अब सैनेटाइज किया जा सकता है। आप सोच रहे होंगे कि इसमें नया क्या है, स्मार्टफोन पर सैनेटाइज डालकर उसे साफ किया जा सकता है। मगर इसमें एक अलग खास बात है और वो है कि अब स्मार्टफोन के लिए भी एक खास वॉश बेसिन तैयार किया गया है।

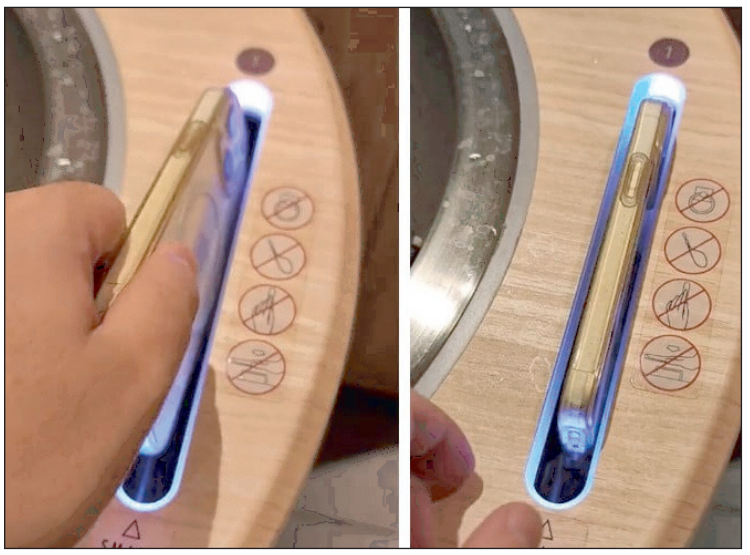

फोन को सैनेटाइज किया जा सकता है

दरअसल, तकनीक की दुनिया के बादशाह जापान ने एक नई तकनीक तैयार की है। जापान के एक मैकडोनाल्ड रेस्टोरेंट में एक ऐसी खास जगह बनाई गई है, जहां पर स्मार्टफोन को रखकर उसे धोया जा सकता है, मतलब फोन को सैनेटाइज किया जा सकता है। इस तकनीक को स्मार्टफोन का वॉश बेसिन कहा जा रहा है।

फोन को धोने के लिए आ गया खास वॉश बेसिन

इस वॉश बेसिन में आप अपने हाथों को धोने के साथ ही अपने गंदे स्मार्टफोन को भी सैनेटाइज कर सकते हैं। इसके लिए एक स्पेशल तरह का सिंक बनाया गया है। एक सिंक के रिम में स्मार्टफोन डालने के लिए एक जगह बनाई गई है। उस जगह में फोन डालने पर कुछ समय बाद फोन सैनेटाइज होकर बाहर निकलता है। यहां पर आपको बता दें कि जापान की वोटा (WOTA) कंपनी ने इस तकनीक को तैयार किया है। कंपनी ने फोन धोने के इस स्पेशल सिस्टम को वोश (WOSH) नाम दिया है।

ईद स्पेशल : ये है ईदी वाली ट्रेंडिंग मेंहदी स्टाइल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अप्रैल , अगर आप मेहंदी की ट्रेंडी डिजाइंस को ईद पर ट्राई करना चाहती हैं तो हमारे पास कुछ लेटेस्ट डिजाइन है। आप ईद पर इन डिजाइंस को लगाए सकती हैं। इन्हें देखकर लोग आपकी खूब तारीफ़ करेंगे।ईद की तैयारियां जोरों पर है और महिलाएं इस त्यौहार को लेकर काफी एक्साइटेड होती हैं। इस फेस्टिव सीजन में हाथों पर मेहंदी लगाना अच्छा माना जाता है। आजकल मेहंदी के कई डिजाइंस काफी ट्रेंडी हैं जिसे आप ईद पर ट्राई कर सकती है। यह ना सिर्फ आपकी हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने में कारगर है बल्कि यह त्योहारी सीजन में काफी रोमांचक है। मेहंदी के इन ट्रेंडी डिजाइंस को हाथों में बनवाने पर लोग आपकी तारीफ करते नहीं थकेंगे। ईद पर महिलाएं यह सोचती हैं कि आखिर कैसे सबसे अलग वो खास दिखे। ऐसे में वह कपड़े से लेकर मेहंदी तक की डिजाइंस को लेकर काफी सजग रहती हैं। मेहंदी डिजाइन की बात करें तो फ्लोरल डिजाइन

को आप ट्राई कर सकती हैं। यह काफी खूबसूरत डिजाइन है। आप चाहे तो इसमें मोडिफाई कर सकती हैं। यह बेली और पाम दोनों के लिए परफेक्ट डिजाइन है।अगर आप मेहंदी लगाना चाहती हैं लेकिन आपको लगता है कि आपको कुछ सिंपल ट्राई करना है तो आप अरेबिक डिजाइन को ट्राई कर सकती है। यह काफी ट्रेंडी और क्लासी डिजाइन है।अगर आप ईद पर सिंपल और स्टाइलिश मेहंदी डिजाइंस को ट्राई करना चाहती हैं तो यह परफेक्ट ऑप्शन है। आप इस तरह से मेहंदी लगा सकती हैं। आप चाहे तो हाथों पर भरी हुई मेहंदी को ट्राई कर सकती हैं। यह न्यूली मैरिड महिलाओं के लिए परफेक्ट ऑप्शन है। यह आपके लुक में चार चांद लगाने के लिए बेस्ट है। इस डिजाइन की खासियत है कि यह देखने में सिंपल है लेकिन इसकी खूबसूरती लोग देखते रह जाएंगे।

नए लांच हुए के इस मोबाइल के हैं धांसू फ़ीचर्स वो भी पॉकेट फ्रेंडली प्राइस में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 अप्रैल : होटल पैसेफिक मे रियल मी ने अपने नारज़ो सीरीज में नया मोबाइल नारज़ो ऐन सीरीज लॉन्च किया जिसमे मौजूद गज़ब के फ़ीचर्स आपके होश उड़ा देंगे और इसके लिए आपको कोई भारी क़ीमत अदा करने की ज़रूरत नही बल्कि आपके बजट प्राइज़ में ये मोबाइल अवेलेबल है. ऐन सीरीज़ का ये फ़ोन यूथ्स को टार्गेट कर लांच किया गया है.कंपनी के प्रोडक्ट मैनेजर ने बताया यूथ्स के साथ नई नौकरी वालों की जेब को भी ध्यान रख कर ये सेगमेंट बाज़ार में लाया जा रहा है.

जिसमे 30 वाट की फ़ास्ट चार्जिंग मिलेगी जो और फ़ोन्स के मुक़ाबले आपको फुल बैटरी जल्दी दे देगा। कंपनी का दवा है कि इस टेक्नोलॉजी सेगमेंट चार्जिंग में इस से बेहतर मोबाइल मौजूद नहीं है.फोन की मोटाई की अगर बात करें तो ये एक स्लिम शेप और हल्के वज़न का फ़ोन है जिसका साइज़ 7. 88 एम एम

है. कैमरे की बात करें तो 64 एमपी रियर कैमरा इसमें दिया गया है जिस से काफ़ी क्लियर पिक्चर क्वालिटी मिलती है, इस फोन की मेमोरी 1 टेराबाइट तक एक्सपेंड हो सकती है. नारज़ो का ये ऐन सीरीज़ मोबाइल धूप में आपको एक प्रीमियम लुक देता है जो पीछे की बॉडी साइड से प्रिज़्म इफ़ेक्ट पैदा करता है.इस फ़ोन मे मौजूद एक ख़ास फ़ीचर्स भी है जो कई महंगे फ़ोन में देखने को मिलता है वो है धूप में भी आप इसका स्क्रीन बिल्कुल साफ़ देख सकते हैं.साथ ही प्राइवेसी के इस दौर में स्क्रीन शॉट सेंड करने पर व्यक्ति का नाम और फ़ोटो ब्लर कर देता है. नारज़ो का ये फ़ोन दो रंगों में मिलेगा प्राइम ब्लू और प्राइम ब्लैक।कंपनी का टार्गेट है इस फ़ोन को लगभग 70 लाख लोगों को बेचना, ये फ़ोन सिर्फ़ रियल मी आधिकारिक वेबसाइट या अमेज़न से ऑनलाइन ख़रीदा जा सकता है.

पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव पर महाराज को मिला देशभर के मंत्रियों का समर्थन

प्रदेश में पंचायतों के नेतृत्व में 1102 अमृत सरोवरों का किया गया है निर्माणः पंचायतीराज मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

18 अप्रैल , देहरादून/नई दिल्ली , उत्तराखण्ड हेतु निर्धारित 975 अमृत सरोवरों के सापेक्ष 1102 अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है। राज्य में स्थानीय एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तथा स्वस्थ ग्राम थीम की प्राप्ति हेतु स्थानीय मोटे अनाजों का प्रयोग कर नैनो पैकेजिंग इकाईयों के माध्यम से चारधाम प्रसाद तैयार किया जा रहा है। हमें पंचायतों को सशक्त करने के लिए पंचायत प्रमुख के प्रत्यक्ष चुनावों की संभावनाओं को भी धरातल पर उतारना होगा।प्रदेश के पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने नई दिल्ली के प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन में पंचायतों के प्रोत्साहन संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन-सह पुरस्कार समारोह को सम्बोधित करते केंद्रीय पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह को जिला पंचायत एवं क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव कराने से संबंधित एक पत्र भी सौंपा। बिहार के पंचायती राज मंत्री मुरारी गौतम सहित अन्य राज्यों के मंत्रियों ने भी श्री महाराज की बात का स्वागत करते हुए पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव कराए जाने का समर्थन किया।पंचायत मंत्री महाराज ने पंचायतों के प्रोत्साहन संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह में केन्द्रीय मंत्री, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास गिरिराज सिंह, पंचायतीराज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल और विभिन्न राज्यों से आये हुए मंत्रियों, अधिकारियों एवं पंचायतों की मुख्य धुरी त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिन पंचायत प्रतिनिधियों ने इस वर्ष विभिन्न थीमैटिक क्षेत्रों (Thematic Areas) में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किये गये हैं निश्चित रूप से वह सभी पंचायतों को मजबूत करने एवं उनको सशक्त करने की दिशा में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करेंगे। उन्होने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन से प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के विकास के मूल मंत्र ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास₹ की स्पष्ट झलक दिखाई पड़ती है।

मोटे अनाजों के प्रयोग से चारधाम प्रसाद हो रहा तैयार

नई दिल्ली में पंचायतों के प्रोत्साहन संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन-सह पुरस्कार समारोह

प्रदेश के पंचायत मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों की विशेष भूमिका है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतें विकास की धुरी है। सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण एवं स्थानीय चुनौतियों का यथोचित समाधान तलाशने के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों को सशक्त करना अत्यन्त आवश्यक है। हमारी सरकार पंचायतीराज संस्थाओं के सशक्तिकरण के लिए कटिबद्ध है। संविधान की 11 वीं अनुसूची में वर्णित 29 विषयों की निधियों, कार्मिकों एवं कार्यों (Funds, Functions and Functionaries) को पंचायतों को वास्तविक अर्थों को हस्तांतरित करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उच्च स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (High Powered Committee) का गठन किया गया है। राज्य में पंचायतों के सहयोग से 56200 महिला समूह सक्रिय रूप से कार्यरत है, जिसमें लगभग 422000 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। वर्तमान में लगभग 37000 महिलाएं 'लखपति दीदी है, जिनकी वार्षिक आमदनी एक लाख से अधिक है तथा वर्ष 2025 तक 150000 से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। करीब 1,50,000 महिलाएं कृषि एवं सहसम्बन्धी गतिविधियों के माध्यम से स्वयं की आजीविका समृद्ध करने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था में भी योगदान दे रहीं है। राज्य में स्थानीय एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तथा स्वस्थ ग्राम थीम की प्राप्ति हेतु स्थानीय मोटे अनाजों का प्रयोग कर नैनो पैकेजिंग इकाईयों के माध्यम से चारधाम प्रसाद तैयार किया जा रहा है।

उन्होने कहा कि ₹स्वच्छ और हरित गाँव थीम को प्राप्त करने के लिए पंचायतीराज विभाग द्वारा ₹उत्तराखण्ड पंचायतों के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नीति, 2017₹ प्रख्यापित की गई है। साथ ही, ग्राम मुजाहिदपुर सतीवाला खालसा, विकास खण्ड भगवानपुर जनपद हरिद्वार में प्लास्टिक वेस्ट रिसाइक्लिंग प्लाण्ट₹ का निर्माण किया गया है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से संग्रहित प्लास्टिक कूड़े की रिसाइक्लिंग कर विभिन्न वस्तुओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन के सम्बन्ध में त्रिस्तरीय पंचायतों के सहयोग से प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रीकरण एवं पृथक्कीरण केन्द्र ग्राम पंचायतों में स्थापित किए जा रहे है। कन्वर्जेंस मॉडल अपनाते हुए राज्य के 95 विकास खण्डों में स्थापित कॉम्पेक्टर के माध्यम से पंचायतें प्लास्टिक Compacted Bales को रिसाईक्लिंग प्लॉन्ट में पुनःचक्रण के माध्यम से अपशिष्ट निस्तारण के साथ-साथ आजीविका संवर्धन भी कर रही हैं। इसके अतिरिक्त जिला पंचायतों द्वारा ग्रामीण बाजारों एवं मार्गों को स्वच्छ रखने के लिए Portable Vacuum Cleaner Machines का प्रयोग किये जाने की कार्ययोजना है।

उन्होने ₹पर्याप्त जल युक्त गांव की थीम का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य स्वच्छ जल का एक महत्वपूर्ण भण्डार है, किन्तु पर्यावरणीय बदलावों का असर राज्य के जल स्रोतों पर भी पड़ रहा है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और मानवीय गतिविधियों एवं अन्य विभिन्न कारणों से पारम्परिक जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। जल स्रोतों को रिचार्ज करने के लिए पारम्परिक रूप मेंचाल-खाल बनाकर पानी को संग्रहित किये जाने की आवश्यकता है। जंगलों में भी वर्षा जल संग्रहण के लिए चाल - खाल बनाये जाने की आवश्यकता है, जो न सिर्फ जंगल में नमी बनाये रखने में मददगार होंगे, वरण मनुष्यों एवं जानवरों के पीने के पानी की कमी भी पूर्ण करेंगे। जल स्रोतों के प्रति उत्तराखण्ड के लोगों का पारम्परिक रूप से लगाव रहा है। वधू द्वारा किया जाने वाला 'धारा पूजन जल स्रोतों के प्रति श्रद्धा व जल की महत्ता को दर्शाता है। राज्य में जल शक्ति अभियान - कैच द रेन का संचालन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत मानसून आने से पूर्व पंचायतों में वर्षा जल संरक्षण एवं जल संचयन की अवसंरचनाएं निर्मित की जा रही है, जिससे पेयजल, कृषि एवं अन्य विविध कार्यों हेतु पानी की पर्याप्त उपलब्धता रहे। उक्त सभी कार्य पंचायतीराज संस्थाओं के नेतृत्व में किये जा रहे है।पंचायतों के नेतृत्व में प्रदेश हेतु निर्धारित 975 अमृत सरोवरों के सापेक्ष 1102 अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है। इन अमृत सरोवरों से जहाँ एक ओर गाँव में जल की पर्याप्तता सुनिश्चित रहेगी वहीं दूसरी ओर ग्रामीण परिवेश को हरित बनाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन अमृत सरोवरों के चारों ओर एवं अन्य स्थानों पर Non Timber Forest produce एवं भवन निर्माण एवं अन्य कार्यों में प्रयुक्त की जाने वाली इमारती लकड़ी के पौधे रोपित किए जाने से इमारती लकड़ी के आयात पर राज्य की निर्भरता कम होगी।

उत्तराखण्ड राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और संरक्षण की समृद्ध लोक परम्परा रही है, जिनमें चिपको आंदोलन, पाणी राखो आंदोलन, मैती आन्दोलन एवं हरेला, फूल देई जैसे लोक पर्व मुख्य हैं। इन पर्वों में पंचायतों के माध्यम से विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाये जाते हैं। सुशासन युक्त गाँवों की दिशा में राज्य की पंचायतों द्वारा नागरिकों को लगभग 42 आवश्यक सेवाओं को Online / Offline माध्यम से प्रदान किये जाने के संदर्भ में योगदान किया जा रहा है। इसमें से कई सेवायें राज्य के सेवा के अधिकार अधिनियम में भी अधिसूचित है। मुझे गर्व है कि राज्य में अपने सीमित संसाधनों के बावजूद अधिकांश पंचायतें निर्धारित समय में उक्त सेवायें प्रदान करने में सफल रही हैं।पंचायत मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा नीति आयोग के सहयोग से आयोजित सशक्त उत्तराखण्ड कॉनक्लेव में विभिन्न विभागों द्वारा सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के सन्दर्भ में विस्तृत रोड मैप बनाने में सहमति हुई है। इस कॉनक्लेव के आयोजन में राज्य के यशस्वी युवा मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी की समावेशी विकास की सोच स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है।

हिमालयी राज्यों के प्रतिनिधि के रूप में उन्होने केंद्रीय पंचायती राज मंत्री से अनुरोध किया कि हिमालयी राज्यों की ग्राम पंचायतों के भौगोलिक परिदृश्य, जटिल परिस्थितियों एवं चुनौतियों के दृष्टिगत आगामी वर्ष से हिमालयी राज्यों हेतु पुरस्कारों की पृथक श्रेणी के सम्बन्ध में विचार किया जाये।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला के रूप में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सप्ताह में आयोजित पंचायतों के प्रोत्साहन संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं एवं मंथन से निकलने वाले अमृत को उत्तराखण्ड सरकार पूर्ण रूप से अपनी पंचायतों तक पहुँचाने का प्रयास करेगी।इस मौके पर पंचायती राज विभाग, उत्तराखंड के अपर निदेशक मनोज कुमार तिवारी, एडीओ पंचायत सुनील कोटनाला, ललित सैनी, कलम सिंह राणा, ललित कुमार आदि मौजूद थे।

हीमोफीलिया दिवस पर कोरोनेशन अस्पताल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

देहरादून। हीमोफीलिया सोसाइटी की ओर से हीमोफीलिया दिवस के मौके पर कोरोनेशन अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मरीजों एवं उनके तीमारदारों को विभिन्न कार्यक्रमों एवं फैक्टरों की जानकारी दी। सोसायटी सचिव दीपक सिंघल ने बताया कि अभी तक लगने वाले फैक्टर आठ और नौ का असर 12 से 24 घंटे तक रहता है। अब चार दिन से पंद्रह दिन असर के फैक्टर दस उपलब्ध नहीं होने की वजह से रक्त एवं प्लाज्मा चढ़वाने वाले मरीजों के लिए भी राहत की खबर है। उनके लिए भी फैक्टर 10 की खरीद की जा रही है। उत्तराखंड में वर्तमान में 265 मरीज पंजीकृत है। हीमोफीलिया की नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति पाठक, डॉ. अनु स्वरूप ने कहा कि हीमोफीलिया में मरीज के अंदरूनी चोट लगने पर खून बहता रहता है, समय से इलाज न होने पर मरीज के दिव्यांग होने की आशंका रहती है। क्लॉटिंग फैक्टर यानि खून के थक्के बनना बंद हो जाते हैं। जब बच्चे के दांत निकलते हैं, खून बहना बंद नहीं होता तब इस बीमारी के बारे में पता चल सकता है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कंचन ठाकुर के मुताबिक बच्चों में हीमोफीलिया पिता और मां से आती है। एक्स गुणसूत्र में द्विविषमता के कारण शिशु में प्रोटीन फैक्टर आठ, नौ की कमी होने से वह चपेट में आ जाता है। एक्स क्रोमोजोम की कमी से बीमारी होती है। कई मरीजों ने अपने अनुभव साझा किए। पीएमएस डॉ. शिखा जंगपांगी, डॉ. एनएस बिष्ट, डॉ. पियूष त्रिपाठी, डॉ. वीएस पंवार, डॉ. एनके मिश्रा, डॉ. कुश एरन, पीआरओ प्रमोद पंवार आदि मौजूद रहे।

रोजगार पाने को दून सैनिक इंस्टीट्यूट में उमड़ी पूर्व सैनिकों की भीड़

देहरादून। सेना की ओर से देहरादून में आज पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। मेले रोजगार पाने को गढ़ी स्थित दून सैनिक इंस्टीट्यूट में पूर्व सैनिकों की भीड़ उमड़ी है। सेना के देहरादून के जन संपर्क अधिकारी ले. कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तराखंड सब एरिया की तरफ से मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में कई कंपनियों ने अपना स्टॉल लगाया है। जिसमें सैनिकों की योग्यता के हिसाब रोजगार दिया जाएगा। यहां आई कंपनियों में एसबीआई लाइफ, केनरा बैंक, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस, सिक्योरिटी सर्विस, एचआर कंसलटेंट आदि आई हैं।

उत्तराखंड में कोरोना, दो दिन में दो लोगों की मौत. 6 महीने की बच्ची मिली पॉजिटिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 अप्रैल : उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज से बढ़ रही है। पहले दिल्ली को कोरोना ने अपनी चपेट में लिया, फिर पंजाब और बंगलुरू और फिर उत्तर प्रदेश में कोरोना के मरीज बढ़ने लगे और अब उत्तराखंड में भी कोरोना बढ़ रहा है। एक ही दिन में कोरोना के 94 नए मामले मिले हैं जिसके बाद 2023 में अभी तक कोरोना के 797 मामले मिल चुके हैं।

रिकवरी रेट तो चिंताजनक नहीं है क्योंकि इनमें से अधिकांश मरीज ठीक हो चुके हैं। बीते दिन कोरोना संक्रमित मरीज की मौत दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में हुई। राज्य में वर्तमान में कोरोना के 292 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सबसे अधिक 48 लोग देहरादून में कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा नैनीताल में 29, हरिद्वार में चार, टिहरी व बागेश्वर में तीन-तीन, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ में दो-दो, ऊधमसिंहनगर, उत्तरकाशी व पौड़ी में एक-एक व्यक्ति संक्रमित मिला। वहीं ऊधमसिंह नगर जिले में भी कोरोना विस्फोट हो गया है और यहां तेजी से कोविड के मामले बढ़ने लगे हैं। शनिवार को एक छह माह की बच्ची सहित दो लोगों संक्रमित मिले हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले में कोरोना जांच के लिए रोजाना 200 लोगों की सैंपलिंग हो रही है।

आरएसएस के पदाधिकारियों ने श्री दरबार साहिब में मत्था टेका

नवनियुक्त प्रांत प्रचारक डॉ शैलेन्द्र ने श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज से लिया आशीर्वाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अप्रैल , राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने श्री दरबार साहिब में मत्था टेका। आरएसएस के नवनियुक्त प्रांत प्रचारक डॉ शैलेन्द्र ने श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया व शिष्टाचार भेंट की। श्री महाराज जी ने नवनियुक्त प्रांत प्रचारक को उनकी नई जिम्मेदारी व उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इसके पहले राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ का शिष्टमंण्डल श्री दरबार साहिब पहुंचा। श्री दरबार साहिब की परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया गया। शिष्टमंण्डल में क्षेत्र प्रचारक महेन्द्र कुमार, नवियुक्त प्रांत प्रचारक डॉ शैलेन्द्र, प्रांत व्यवस्था सुरेन्द्र मित्तल व विभाग कार्यवाह अनिल नंदा शामिल थे। उन्होंने श्री दरबार साहिब में मत्था टेका व समसामयकि विषयों पर श्री महाराज जी से बातचीत की।

काबिलेगौर है कि डॉ शैलेन्द्र ने हाल ही में प्रांत प्रचारक का कार्यभार ग्रहण किया है। डॉ शैलेन्द्र आईआईटी रुड़की से बी.टैक, एम.टैक व पीएचडी गोल्ड मैडलिस्ट हैं। आईटी के क्षेत्र में वह एक जाना पहचाना नाम हैं। श्री महाराज जी ने डॉ शैलेन्द्र को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए हार्दिक शुभकमानाएं दीं।

आरएसएस के प्रतिनिधिमण्डल ने श्रीमहंत इन्दिरेश अस्पताल के द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्यवासियों व पड़ोसी राज्यों के मरीजों को दी जा रही सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ व अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान को राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों व शोधार्थियों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की भी प्रशंसा की।

केदारनाथ में इस बार इतने रुपये में मिलेगी खाने की थाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 18 अप्रैल : केदारनाथ यात्रा की जोरों शोरों से तैयारियां चल रही हैं। केदारनाथ यात्रा शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं, और लोगों के अंदर यात्रा का उत्साह साफ तौर पर दिख रहा है। परिवहन विभाग से लेकर सभी प्रशासन अपने अपने स्तर पर जोरों-शोरों से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

इस बीच यात्रियों और यात्रा ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों के भोजन की जिम्मेदारी गढ़वाल मंडल विकास निगम को सौंपी गई है। निगम द्वारा एक सप्ताह के भीतर कैंटीन संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यात्रा काल के लिए जीएमवीएन ने केदारनाथ में भोजन की दरें भी निर्धारित कर दी हैं। केदारनाथ के दर्शन को आने वाले यात्रियों को सुबह के नाश्ते के लिए

200 रुपये और दोपहर और रात के खाने के लिए 250-250 रुपये भुगतान करना होंगे। केदारनाथ में यात्रियों को प्रतिदिन लौकी, तोरई की सब्जी के साथ मूली की थिंचोड़ी, गहथ की दाल, पहाड़ी राजमा, उड़द व तोर की दाल का स्वाद चखने को मिलेगा। इसके साथ ही चाय, कॉफी और दूध भी मिलेगा।

उत्तराखंड के हीरा सिंह ने ड्रीम 11 में टीम बनाकर जीते 2 करोड़ रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः ड्रीम इलेवन जैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप लोगों को लखपति-करोड़पति बना रहे हैं। अब तक उत्तराखंड के कई लोग फैंटेसी टीम बनाकर लाखों-करोड़ों की रकम जीत चुके हैं। इस बार उत्तराखंड के हीरा सिंह की किस्मत चमकी है। जिन्होंने ड्रीम इलेवन में फैंटेसी टीम बनाकर दो करोड़ की रकम जीती है।

उत्तराखंड के रहने वाले हीरा सिंह अब तक 532 कांटेस्ट खेल चुके हैं। जिसमें उनका विनिंग रेट 56 परसेंट रहा है। आईपीएल मैच में हीरा सिंह ने लोकेश राहुल को कैप्टन और एस राजा को वाइस कैप्टन बनाया था। उन्हें पता था कि इस पिच पर रन कम और विकेट ज्यादा गिरेंगे। इसलिए उन्होंने चार ऑलराउंडर और चार बॉलर को शामिल कर टीम बनाई थी।हीरा सिंह की ट्रिक काम कर गई और वो एक झटके में दो

करोड़ रुपये जीत गए। बता दें की लखनऊ सुपरजाइंट्स वर्सेस पंजाब के बीच मैच था। जो की 7:30 बजे से शुरू हुआ। इस मैच में लखनऊ ने सबसे पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। पंजाब को 159 रन का लक्ष्य मिला, जिसे पंजाब ने 19 ओवर 3 बॉल में बनाकर जीत लिया। इनमें से एक मैच में जम्मू-कश्मीर का युवक करोड़पति बना, जबकि दूसरा उत्तराखंड के हीरा सिंह विजेता रहे।

कालिंदी अस्पताल को मिल अल्टीमेटम, लौटाने होंगे 1 करोड़ 83 लाख रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। विकासनगर के कालिंदी अस्पताल को एक सप्ताह के भीतर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण को एक करोड़ 83 लाख रुपये लौटाने होंगे। प्राधिकरण की ओर से अस्पताल प्रबंधन को इसका अल्टीमेटम दिया गया है। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के निदेशक प्रशासन डॉ अतुल जोशी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कालिंदी अस्पताल ने 796 केस के बदले राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण से एक करोड़ 83 लाख का भुगतान लिया है। अस्पताल के बिलों की जांच में गड़बड़ी मिली और पाया गया कि ये सभी बिल किसी न किसी वजह से फर्जी या गलत हैं। ऐसे में अब इन सभी बिलों के आधार किए गए भुगतान को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल प्रशासन को यह रकम एक सप्ताह के भीतर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के खाते में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा न होने पर अस्पताल के खिलाफ अन्य कार्रवाई शुरू कर दी जाएंगी। विदित है कि गड़बड़ी सामने आने के बाद राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने कालिंदी अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत इलाज पर रोक लगाने के साथ ही अस्पताल को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है।

पौड़ी के दर्जनों गांवों में लगा नाइट कर्फ्यू, स्कूलों की छुट्टियां घोषित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 18 अप्रैल : पौड़ी गढ़वाल जिले के कई गांव में बाघ का आतंक फैला हुआ है। यहां बीते कई दिनों से बाघों का आतंक बना हुआ है। बाघों के हमले के डर की वजह से पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल मैं कई स्कूलों की 2 दिन की छुट्टियां घोषित कर दी गई है। इसके अलावा अब बड़ी खबर यह मिल रही है कि यहां अब 11 घंटे का रात्रि कर्फ्यू भी लगेगा। पौड़ी गढ़वाल जिले के डीएम डॉ आशीष चौहान ने इस बात की जानकारी दी है। उनका कहना है कि बाघों का झुंड कभी भी हमलावर हो सकता है।

इस वजह से पौड़ी गढ़वाल जिले के तहसील रिखणीखाल और धुमाकोट में शाम 7:00 बजे से लेकर सुबह 6:00 बजे तक कई गांव में नाइट कर्फ्यू रहेगा। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक करियर निकाल तहसील और धुमाकोट तहसील के 28 गांव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसके अलावा पैनू पट्टी-4 में भी नाइट कर्फ्यू जारी रहेगा। बताया गया है कि बाघों का 1 झुंड रिखणीखाल के कॉर्बेट नेशनल पार्क से लगे गांवों में घूमते हुए देखा गया है। अब क्षेत्र से लगे गांव में जल्द ही ड्रोन की मदद ली जाएगी जिससे बाघों के मूवमेंट का पता चल सके।

डीएम सोनिका की स्मार्ट सोच से बच्चों को मिलने लगीं दान में किताबें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अप्रैल , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 116 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व, एमडीडीए, पंचायतीराज, विद्युत, बाल-विकास, पुलिस, सिंचाई, लोनिवि, समाज कल्याण, नगर निगम, पेयजल निगम आदि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। विगत जनसुनवाई में डांडीपुर मच्छी बाजार निवासी अमित अरोड़ा की पुत्री हर्षिता अरोड़ा का निजी स्कूल में दाखिला दिलाने पर संबंधित द्वारा धन्यवाद दिया तथा किताबें दिलवाने का अनुरोध किया, जिस पर जिलाधिकारी ने पुस्तक दिलाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया।

जनसुनवाई में डांडीपुर मच्छी बाजार निवासी हर्षिता ने जिलाधिकारी से कक्षा 4 की किताबें दिलवाने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बालिका को किताबें उपलब्ध कराई जांए। पूर्व में भी बालिका का दाखिला जिलाधिकारी के निर्देशों पर स्थानीय निजी स्कूल में किया गया था। जनपद में जिलाधिकारी की अभिनव पहल से जिला प्रशासन देहरादून द्वारा जरूरतमंद बच्चों को किताबें उपलब्ध कराई जाने हेतु स्मार्ट सिटी लि0 के सहयोग से मुहिम चलाई जा रही है। जिसमें अनावश्यक किताबें कलेक्शन सेन्टरों एवं स्मार्ट सिटी की बसों पर बनाए गए बॉक्स में जमा किया जा सकता है। जिससे जरूरतमंद बच्चों को किताबें उपलब्ध कराई जा सकें।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में फुटपाथ एवं अन्य स्थानों पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही में तेजी लाई जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी मुख्यालय को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित स्टोन क्रैशर एवं खनन पट्टों की वैद्यता जांच लें, जिन खनन पट्टों स्टोन क्रैशर की अवधि समाप्त हो गई है को बंद करने के आदेश निर्गत किए जाए। प्राप्त हुई शिकायतों में कुंजा ग्रान्ट तहसील विकासनगर भूमि कब्जा किए जाने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी विकासनगर को कार्यवाही के निर्देश दिए। विकासनगर में जेसीबी ड्राईवर की लापरवाही से पुलिया टूटने की शिकायत पर सिंचाई विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। गौरा देवी/कन्या धन योजना कला प्राप्त न होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्राम व्यास नेहरी पर अतिक्रमण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी कालसी को कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार स्कूल वैन के भवन स्वामी के घर के सामने पार्क किये जाने की शिकायत पर यातायात पुलिस को कार्यवाही के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त हो रही शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लिया जाए तथा भूमि विवाद के प्रकरणों पर मौका मुआवना करते हुए वस्तु स्थिति से अवगत होकर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। तथा संबंधित शिकायतकर्ता को कृत कार्यवाही से अवगत कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम जगदीश लाल, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान , निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आर.सी तिवारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी विद्याधर कापड़ी, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र रावत, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, समाज कल्याण अधिकारी गोर्वधन सहित राजस्व, एमडीडीए, पंचायतीराज, विद्युत, बाल-विकास, पुलिस, सिंचाई, लोनिवि, समाज कल्याण, नगर निगम, पेयजल निगम आदि संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम सोनिका ने किया मसूरी क्षेत्र में निर्माण कार्यों का स्थलीय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने मसूरी क्षेत्र में निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए दिए की जहां पर स?क खराब है उसे तत्काल ठीक कर लिया जाए। उन्होंने लोनिवि, यूपीसील, जल संस्थान, जल निगम के अधिकारियों को कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कर लिए जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रसास किया जा रहा है कि स?क माह के अन्त तक कार्य पूर्ण कर लिया जाए। साज-सज्ज के कार्यों को छो?कर शेष अन्य निर्माण कार्यों में तय समय पर पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को दिए गए है। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी नन्दन कुमार सहित लोनिवि, यूपीसील, जल संस्थान, जल निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

त्यूणी अग्निकांड की जांच करेंगी अनुभवी सीडीओ झरना कमठान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अप्रैल , मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने बताया है कि जनपद देहरादून के तहसील त्यूनी क्षेत्र के अन्तर्गत त्यूनी मोटर पुल के समीप मौजा वृनाड वास्तिल में 1 चार मंजिला सकड़ी के आवासीय भवन में 06 अप्रैल 2023 की सांय लगभग 04:00 बजे आग लगने की घटना घटित हुई है। उक्त घटना में आवासीय जल कर नष्ट हो गया है साथ ही 01 महिला, 01 पुरुष एवं 01 बच्चा आग की चपेट में आने से झुलस गये तथा 04 बच्चों की आग में जलने से मृत्यु हो गयी। उक्त प्रकरण की जांच हेतु जिलाधिकारी देहरादून द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया गया है। मु ख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि उक्त घटना के संबंध में यदि कोई व्यक्ति कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता है अथवा व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहता हो तो 30 अप्रैरल 2023 तक अपरान्ह 05:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी लिखित साक्ष्य प्रस्तुत/प्रेषित कर सकता है साथ ही व्यक्तिगत रूप से भी अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उक्त तिथि के उपरान्त किसी प्रकार के साक्ष्य का संज्ञान लिया जाना संभव नहीं होगा।

ईद की नमाज से पहले क्यों देते हैं जकात और फितरा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अप्रैल , इस्लाम में रमजान के पाक महीने में हर हैसियतमंद मुसलमान पर ज़कात देना जरूरी बताया गया है. रमजान के पाक महीने में रोजा नमाज और कुरान पढ़ने के साथ-साथ जकात और फितरा देने का भी बहुत महत्व है. जकात इस्लाम के 5 स्तंभों में से एक है. रमजान के महीने में ईद की नमाज से पहले ससुरा और सका देना हर मुसलमान के लिए जरूरी माना जाता है.अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के दीनियात विभाग के पूर्व चेयरमैन मुफ्ती जाहिद अली बताते हैं कि इस्लाम के मुताबिक जिस मुसलमान के पास इतना पैसा यह संपत्ति हो कि वह अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने के बाद भी धन की बचत हो तो वह दान करने का पात्र बन जाता है.

इस्लाम के अनुसार इस दान को दो भागों में विभाजित किया गया है, फितरा और जकात मुफ्ती. जाहिद अली बताते हैं कि अगर कोई व्यक्ति जकात देता है तो वह खामोशी अख्तियार कर के दे उसका ढोलना नहीं पीटे. आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति जो जकात लेता है उसको भी एहसास नहीं होना चाहिए कि उसने ज़कात ली है जिसकी वजह से उस पर किसी प्रकार का एहसान किया गया है. वरना ऐसे में जकात का महत्व कम हो जाता है.इस्लाम में रमजान के पाक महीने में और ईद की नमाज अदा करने से पहले हैसियतमंद हर मुसलमान पर ज़कात देना जरूरी बताया गया है. आमदनी से पूरे साल में जो बचत होती है. उसका 2.5 फ़ीसदी हिस्सा किसी गरीब या जरूरतमंद को दिया जाता है, जिसे ज़कात कहते हैं. अगर किसी मुसलमान के पास तमाम खर्च करने के बाद 100 रुपये बचते है. तो उसमें से 2.5 रुपये किसी गरीब को देना जरूरी होता है. जिसे जकात माना गया है ज़कात में 2.5 फिसदी देना तय होता है. जबकि फितरे की कोई सीमा नहीं होती इंसान अपनी हैसियत के हिसाब से कितना भी फितरा दे सकता है. अल्लाह ताला ने ईद का त्यौहार हर गरीब और अमीर सभी के लिए बराबर बनाया है गरीबी की वजह से लोगों की खुशी में कमी ना आए इसलिए हर हैसियतमंद मुसलमान पर ज़कात और फितरा देना ज़रूरी कायम किया है.

क्या आप जानते हैं कुमाऊं को कुमाऊं क्यों बोलते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अप्रैल , कुमाऊं उत्तरांचल, भारत के प्रशासनिक प्रभागों में से एक है । इसमें अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ और उधमसिंह नगर जिले शामिल हैं । यह उत्तर में तिब्बत , पूर्व में नेपाल, दक्षिण में उत्तर प्रदेश राज्य और पश्चिम में गढ़वाल क्षेत्र से घिरा है। कुमाऊँ के लोगों को कुमाऊँनी के नाम से जाना जाता है । हल्द्वानी, नैनीताल, रुद्रपुर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, मुक्तेश्वर और रानीखेत कुमाऊं के महत्वपूर्ण शहर हैं । नैनीताल कुमाऊं मंडल का प्रशासनिक केंद्र है। कुमाऊँ की पहाड़ियों का मुख्यालय नैनीताल में है । कुमाऊं क्षेत्र ने एक पुरानी राजपूत रियासत का गठन किया, जो 19वीं शताब्दी की शुरुआत में विलुप्त हो गई । कुछ समय के लिए इस क्षेत्र पर गोरखाओं का शासन था । लेकिन कुमाऊं के लोगों ने उनका बहादुरी से मुकाबला किया और अंग्रेजों की मदद से उन्हें बाहर खदेड़ दिया। बाद में, इस क्षेत्र को 1815 में अंग्रेजों द्वारा कब्जा कर लिया गया था, और तीन प्रशासकों श्री ट्रेल, श्री जेएच बैटन और सर हेनरी रामसे द्वारा गैर-विनियमन प्रणाली पर सत्तर वर्षों तक शासन किया गया था ।

एक मान्यता के अनुसार जब भगवान विष्णु का कूर्म अथवा कछवे का अवतार हुआ तो वह अवतार कहा जाता है कि चम्पावती नदी के पूर्व में कूर्म पर्वत जिसे आजकल कंदादेव या कानदेव कहते हैं वहाँ वह तीन वर्ष तक खड़े रहे। उस कछवे के पैरों के चिन्ह उस पर्वत पर अंकित हो गए और वहां विद्यमान हो गए। तब से उस पर्वत का नाम कूर्माचल हो गया (कूर्म + अचल)फिर बाद में कूर्माचल का कुमु और कुमु का कुमाऊं हो गया। किसी जमाने में यह नाम चम्पावत और उसके आसपास के गावों को दिया जाता था। उसके बाद यह काली नदी के किनारे के सारे क्षेत्रों को दिया जाने लगा।बाद में जब चंद राजाओं के राज्य का विस्तार हुआ तो उस समय के अल्मोड़ा और नैनीताल के सारे क्षेत्र का नाम भी कुमाऊं हो गया। अंग्रेजी राज्य में कभी देहरादून भी कुमाऊँ राज्य का हिस्सा हुआ करता था। चंद राजाओं ने इस नाम को प्रसिद्ध किया।कुमाऊं के लोग खेती व धन कमाने में माहिर हैं और बड़े कमाऊ हैं इसलिए उन्हें कुमाऊनी कहा जाता है। और यह भी वह बोलते हैं की काली नदी के पास वाले काली कुमाऊँ का नाम यह काली नदी के कारण नहीं बल्कि वहां के राजा कल्लू तड़ागी के नाम पे पड़ा। देवदार और बांझ की घनी काली झाडियां भी काली नदी के आसपास के क्षेत्रों में बहुत पाई जाती है इसलिए भी इसे काली कुमाऊँ कहा जाता था। चंद राजाओं के समय कुमाऊँ के तीन शासन मंडल थे। काली कुमाऊँ , अल्मोड़ाः और तराई भाभर का इलाका , ये उस समय की बात है जब चंद वंश खूब फैला हुआ था।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस : स्कूली बच्चों को खिलाई दवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 अप्रैल : आज भी कई बीमारियों की जड़ अपशिष्ट खाना है, जिसके चलते बच्चों के पेट में कीड़े हो जाते हैं और संक्रमण फ़ैलने से कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। इन बीमारियों से बचाव के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है जिसमे सभी स्कूली बच्चों को पेट के कीड़े मारने वाली दवा खिलाई जाती है. इस दिवस को देहरादून के बी. ऐस. नेगी इंटर कॉलेज में मनाया गया जिसमे विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं को कृमि मारने वाली दवा खिलाई गई जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास में ये बीमारी बाधा न बने साथ ही बच्चे कुपोषण के शिकार होने से बचे रहे.

इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल ने कहा कि हर वर्ष भांति इस वर्ष भी बच्चों को ये दवा डॉ. और विद्यालय के स्टाफ़ की देखरेख में खिलाई गई है साथ ही उन्होंने राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि स्वास्थ्य से जुड़े इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत अच्छी तरह प्रदेश भर में चलाये जा रहे हैं. स्कूल के छात्र छात्राओं ने भी दवा कार्यक्रम में दवा खिलाने के लिए अपने स्कूल के अध्यापकों का धन्यवाद दिया और सकारात्मक सन्देश देते हुए कहा कि हर बच्चे को इस दवा का सेवन अवश्य करना चाहिए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े और उन्होंने विद्यालय के भवन जीर्णोद्धार और लैब स्थापना के लिए राशि का ऐलान किया। इसके क्षेत्रीय विधायक उमेश शर्मा काऊ भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए.

ट्रूकॉलर ने लॉन्च किया एआई-पावर्ड 'फ्रॉड प्रोटेक्शन'; यूज़र्स को स्कैमर्स से करेगा सुरक्षित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

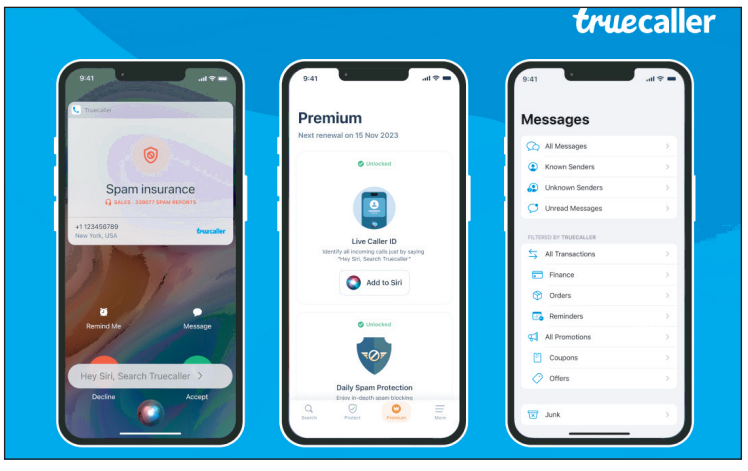

देहरादून , 18 अप्रैल , ट्रूकॉलर पिछले एक दशक से धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स के बारे में यूज़र्स को सतर्क करता रहा है। हम स्पैम एसएमएस पर लगाम लगाने के लिए कम्युनिटी से मिले फीडबैक का उपयोग करते हैं। दूनवासियों के लिए अब एसएमएस के ज़रिए धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए हम एआई-पावर्ड 'फ्रॉड प्रोटेक्शन' लेकर आए हैं। जिसमें यूज़र्स को धोखाधड़ी वाले मैसेज़ से सुरक्षित रखने के लिए यूज़र्स से मिले फीडबैक और हमारी प्रॉपराइटरी मशीन लर्निंग इंटेलीजेन्स का उपयोग किया गया है। यह खासतौर पर दूनवासियों के उन लोगों के लिए उपयोगी है जो धोखाधड़ी को समझ नहीं पाते और यह मान बैठते हैं कि उन्हें मिलने वाले मैसेज प्रमाणित बिज़नेस द्वारा भेजे गए हैं। वर्तमान में हमारा फ्रॉड प्रोटेक्शन सभी एंड्रोइड यूज़र्स के लिए उपलब्ध है, जो इंटेलीजेन्ट तरीके से धोखाधड़ी वाले मैसेजेज़ को पहचान लेता है। हमारा सिस्टम यूज़र की रिपोर्ट के बिना धोखाधड़ी के नए तरीकों को भी स्वतः ही समझ जाता है। नियमित स्पैम के विपरीत, फ्रॉड और स्कैम अक्सर दुर्भावनापूर्ण होते हैं। हमारे आस-पास हमेशा नए तरीके के फ्रॉड पाए जाते हैं, जिन्हें खासतौर पर किसी वैद्य या प्रमाणित बिज़नेस के नाम पर भेजा जाता है। इससे आम लोग आसानी से इन्हें सच मान लेते हैं और एक सैकण्ड के भीतर अपनी मेहनत से कमाए पैसों से हाथ धो बैठते हैं।

पहले चरण में हुई चिन्हित 75 स्थानों से अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जनपद में अतिक्रमण से बाधित स?कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाए जाने हेतु जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशन पर 5 जोन बनाए गए है, जिनके लिए नगर निगम, पुलिस, प्रशासन की अलग-अलग संयुक्त टीम बनाकर प्रथम चरण में अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही की जा रही है। प्रथम जोन मोहब्बेवाला से राजपुर रो?, द्वितीय जोन धूलकोट से कुआंवाला, तृतीय जोन ब्रहमकमल चौक से आईटी पार्क, सहस्त्रधारा क्रोसिंग से आईटी पार्क, चतुर्थ जोन ट्रांसपोर्ट नगर से ग?ी कैंट व आईएसबीटी चौक से रिस्पना पुल, लाल पुल, कारगी चौक , शिमला बाईपास चौक से ब?ेवाला चौक तथा मोहब्बेवाला से राजपुर, पांचवा जोन छः नंबर पुलिया से एयरपोर्ट, महाराणा प्रताप चौक से मालदेवता तथा राजपुर से कुठाल गेट डाईवजन तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

प्रथम जोन में 17 स्थानों, द्वितीय जोन में 22 स्थानों, तृतीय जोन में 8 स्थानों, चतुर्थ जोन में 20 स्थानों तथा पांचवे जोन में 8 चिन्हित स्थानों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। पहले चरण में चिन्हित 75 स्थानों से अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की गई।

जिलाधिकारी सोनिका ने अवगत कराया कि जनपद/शहर में अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होने की जो समस्या उत्पन्न हो रही है। उसको दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम, यातायात पुलिस, जिला प्रशासन के संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त 5 टीमें बनाई गई है, जिनके द्वारा चिन्हित स्थानों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। बताया कि मुख्य स?क, जंक्शन एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण होने से यातायात बाधित रहने की शिकायतें प्राप्त होती है। जिसके लिए प्रथम चरण में इन्हीं स्थानों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है तथा आगे भी अतिक्रमण चिन्हित कर हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर प्रशिक्षण का शुभारंभ

हल्द्वानी। दूध एवं दुग्ध उत्पाद के मानकों की जानकारी देने के लिए उत्तराखण्ड सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान लालकुआं में तीन दिवसीय फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एण्ड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम (एफएसएसआई) शुरू किया गया है। इसमें प्रदेश के 11 दुग्ध संघों के 27 प्रोडक्शन एवं लैब कार्मिकों भाग ले रहे हैं। सोमवार को निदेशक व निबन्धक डेयरी विकास संजय कुमार एवं प्रशासक उत्तराखण्ड सहकारी डेरी फेडरेशन मुकेश बोरा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपील कर कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में अपने दुग्ध उत्पादों की शुद्धता एवं उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के लिए फूड सेफ्टी के मानकों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। अपील कर कहा कि उक्त प्रशिक्षण का लाभ अपने संस्थाओं और आंचल उपभोक्ताओं को मिल सके, ऐसा प्रयास करें।

रोलर स्केटिंग में गुरुकुल एकेडमी ओवरऑल चैंपियन

देहरादून। डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन की ओर से आयोजित इंटर स्कूल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में गुरुकुल एकेडमी ऑवर ऑल चैंपियन बनी। बालिका वर्ग में दून गर्ल्स स्कूल ने बाजी मारी। देहरादून में सोमवार को दून वर्ल्ड स्कूल में स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर मनदीप डंग ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। आयोजन सचिव प्रियंक शर्मा ने बताया कि रोलबॉल जूनियर प्रतियोगिता में गुरुकुल एकेडमी विजेता और माउंट फोर्ट एकेडमी उपविजेता रही। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में गुरुकुल एकेडमी ने पहला, डीपीएस दौलतपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्वाड अंडर-6 बालक वर्ग में तेजश, अंडर-8 में अबीर, अंडर-10 में युग, अंडर-12 में क्रिस, अंडर-14 में सक्षम, अबव-14 में लविश ने पहला स्थान प्राप्त किया। क्वाड अंडर-6 बालिका वर्ग में पाविका, अंडर-8 में बानी, अंडर-10 में अमायरा, अंडर-12 अक्षिता, अंडर-14 में कीर्ति, अंडर-16 में सोनाक्षी, अबव-16 में आकृति अव्वल रहीं। इनलाइन अंडर-6 बालक वर्ग में आशुतोष, अंडर-6 में अनवित, अंडर-8 विष्णु, अंडर-10 में दिव्यम, अंडर-12 में अर्णव, अंडर-14 में निशीथ, अबव-14 में आदित्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनलाइन अंडर-6 बालिका वर्ग में यशवी, अंडर-6 में विदिशा, अंडर-8 में वान्या, अंडर-10 में आरिका, अंडर-12 में अंजनी, अंडर-14 में मिमांसा नेगी, अबव-14 में आलिया अव्वल रहीं।

संपादकीय

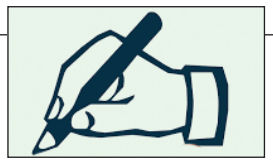

न मिले अपराधियों को राजनीतिक प्रश्रय

हमारे देश में राजनीति के अपराधीकरण की चिंता बहुत पुरानी है. इससे निपटने के उपायों पर विमर्श भी लंबे समय से चल रहा है. उत्तर प्रदेश में अतीक अहमद प्रकरण के हवाले से एक बार फिर इस मसले पर चर्चा हो रही है. ऐसे कई उदाहरण हैं, जब दुर्दांत अपराधी राजनीति में भी स्थापित हो जाते हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह है गठजोड़- अपराध का राजनीति से गठजोड़, नौकरशाही से गठजोड़ आदि. इसी का फायदा उठाकर अपराधी राजनीति के मैदान में प्रवेश कर जाते हैं. इस गठजोड़ के कारण अपराधियों को राजनीतिक प्रश्रय भी मिलता है और उन्हें पुलिस एवं प्रशासन का संरक्षण भी प्राप्त होता है. इसी संरक्षण के बूते अपराधी आगे बढ़ते जाते हैं. इस पूरे हिसाब की जड़ में है अपराधियों को मिलने वाला राजनीतिक संरक्षण. अगर उन्हें राजनीतिक संरक्षण नहीं मिले, तो अन्य तरह के प्रश्रय भी उन्हें नहीं मिल सकेंगे. जहां तक अतीक अहमद की बात है, जो उनको समाजवादी पार्टी का संरक्षण था. इस पार्टी का वरदहस्त होने के चलते उनके कृत्यों पर अंकुश लगा पाना मुश्किल था. ऐसे में वे आगे बढ़ते गये. आपराधिक करतूतें भी रहीं और वे सांसद और विधायक भी बनते रहे. राजनीति का अपराधीकरण एक गंभीर समस्या है और यह समस्या देशभर में है. इसके समाधान के उपाय सुझाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन हो चुका है और उनकी रिपोर्ट भी हैं. लेकिन उन उपायों को अमल में लाने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. ऐसा इसलिए है कि आज नेता भी अपराधी हो चुका है. रिपोर्ट बताती हैं कि लोकसभा में 40 फीसदी से अधिक सांसदों की पृष्ठभूमि आपराधिक है. अगर हम सच में इस समस्या को दूर करने की इच्छा रखते हैं, तो सबसे पहले हमें उन गठजोड़ों को तोड़ना होगा, जिनका उल्लेख पहले किया गया है. अतीक अहमद के मामले को देखें, तो आज के समय में राजनीतिक संरक्षण समाप्त हो गया था और अब माफिया तंत्र के खिलाफ कार्रवाई हो रही थी. उस प्रक्रिया में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिसको लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं. यह जो हत्याकांड हुआ है, उसकी न्यायिक जांच की घोषणा हो चुकी है. इससे अधिक और कुछ क्या किया जा सकता है!

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नशीली दवाईयां सप्लाई में B.M.S. डॉक्टर और 2 शागिर्द नपे

नशे के सौदागरों के लिए अंतिम पड़ाव जेल : एसएसपी हरिद्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भगवानपुर , 18 अप्रैल , नशीली दवाईयां सप्लाई प्रकरण में थाना भगवानपुर में दर्ज कराए गए N.D.P.S. Act में गिरफ्तार अभियुक्त मौहमद वसीम अकरम निवासी रामपुर डांडी थाना गंगनहर से की गई पूछताछ एवं विवेचना के आधार पर हरिद्वार पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। तमाम सुबूतों के आधार पर पुलिस टीम के सहयोग से नशीली दवाओं की सप्लाई में भागीदार B.M.S. डॉ0 शाहिद (नवजीवन अस्पताल) व उसके 2 शागिर्द साजिद व भूरा हसन उर्फ रिहान को हिरासत में लिया। अभियुक्त शाहिद द्वारा अलग-अलग किस्तों में ₹70000/- अपने खाते में मंगवाकर अपने दो कर्मचारियों साजिद व भूरा के माध्यम से अभियुक्त मौहमद वसीम अकरम को नशीली दवाओं (Tramadol-6720, ALPRAZOLAM-35400) की खेप पहुंचाई थीअभियुक्त मौहम्मद वसीम अकरम ने ये खुलासे भी किये- मदरहुड युनिवर्सिटी से D-PHARMA की डिग्री ले चुका अभियुक्त वसीम हिंद मेडिकल स्टोर संचालित कर रहा था। इससे पहले अन्य मेडिकल शॉप पर काम करने के दौरान ही वसीम की मुलाकात नशीली दवाएं मंगा रहे नफीस तथा सप्लायर डॉ0 शाहिद से हुई थी। एक बड़ा खुलासा ये भी हुआ है कि डॉक्टर शाहिद की पत्नी वर्तमान में फिलिपिंस से M.B.B.S. का कोर्स कर रही है।

आज से कुमाऊं में थोड़ा राहत मिलने की संभावना

हल्द्वानी। कुमाऊं के पहाड़ी इलाकों में आज बूंदाबांदी और 19 अप्रैल को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पहाड़ी क्षेत्र में बारिश से मैदानी इलाकों में भी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि 18 अप्रैल से पहाड़ी इलाकों पर गरज चमक के साथ बूंदाबादी होगी। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। 19 अप्रैल को पहाड़ी क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 20 अप्रैल को भी कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश संभावना जताई गई है। हालांकि, अगले तीन दिन मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

सीजन में पहली बार पारा 38 डिग्री सेल्सियस पहुंचा : दिन प्रति दिन गर्मी झुलसाने लगी है। हल्द्वानी में सोमवार को सीजन में पहली बार पारा 38 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तपती दोपहरी में लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी इलाकों में बारिश के साथ आज से गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

प्रदेश में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के 14वें चरण की शुरूआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर के 1 से लेकर 19 आयु वर्ष के 38 लाख लक्षित बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने की मुहिम आज से शुरू कर दी गई है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ बी0एस0 नेगी मेमोरियल राजकीय इण्टर कालेज गुजराडा, देहरादून से स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्चुअल माध्यम से किया। इस अवसर पर बच्चों को कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों द्वारा कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई गई।

कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित करते हुये सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नौनिहालों के स्वास्थ्य के प्रति फिक्रमंद है। उन्होंने कहा कि सूबे में बाल मृत्यु दर को न्यूनतम करने के लिये राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, बच्चों को स्वस्थ रखने और उन्हें कृमि रोगों से दूर रखने के लिये समय-समय पर दवापान कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य मस्तिष्क से ही स्वस्थ समाज की कल्पना साकार की जा सकती है तभी एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सकता है, इसलिये स्कूली बच्चों एवं युवा पी?ी का मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

■ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने किया वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का शुभारम्भ

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेशभर में कोई भी बच्चा कृमिनाशक दवापान करने से वंचित न रहे, इसके लिये आंगनबाडियों, स्कूलों, शहरी पीएचसी पर सघन अभियान चलाया जाय। जो बच्चे दवापान से वंचित रह जाते हैं उन्हें 20 अप्रैल मॉप अप राउंड को कृमिनाशक दवा खिलाई जाय।

उन्होंने बताया राज्य में अब तक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के 13 चरणों का सफल आयोजन किया जा चुका है। 13वें चरण अक्टूबर 2022 में 1-19 आयु वर्ग के 34.27 लाख बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाई गई थी। डा. रावत ने कहा अब दवापान के लक्ष्य को ब?ाकर 38 लाख कर दिया गया है। ताकि राज्य के शत प्रतिशत बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाकर उनको कृमि मुक्त करते हुये स्वस्थ उत्तराखण? के निर्माण में एक और कदम आगे ब? सकें।

कार्यक्रम में मौजूद विशिष्ट अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने स्कूली छात्र-छात्राओं कृमि मुक्त दवापान करा कर भौतिक रूप से अभियान की शुरूआत की। जबकि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने महाराष्ट्र से ही वर्चुअल माध्यम से ही कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। निदेशक एनएचएम डा. सरोज नैथानी ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन विगत 2016 से लगातार सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

इस मौके पर सीएमओ देहरादून डा. संजय जैन, प्रभारी अधिकारी आई.ई.सी. एवं मातृ स्वास्थ्य डा. अजय कुमार नगरकर, प्रभारी अधिकारी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम डा. अर्चना ओझा, स्कूल प्रधानाचार्य अनील कुमार रावत, पंकज कुमार, एवीडेन्स एक्शन सुनील कुमार मौर्य एवं विद्यालय के सैक?ों छात्र-छात्राएं एवं स्कूल स्टॉफ आदि मौजूद रहे।

डीएम पाण्डेय ने किया नशा उन्मूलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में होम्योपैथिक विभाग द्वारा आयोजित नशा उन्मूलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय को जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ0 विकास ठाकुर ने नशा उन्मूलन कार्यक्रम के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद हरिद्वार के 14 होम्योपैथिक चिकित्सालयों-जिला अस्पताल हरिद्वार, श्यामपुर, खानपुर, जगजीतपुर, हिरनाखे?ी, ब्रह्मपुर, लण्ढौरा, भगतोवाली, चौली, भगवानपुर, रोशनाबाद, रोह पथरी सुमननगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्सर तथा होम्योपैथिक उप चिकित्सालय रू?की में, ऐसे 18 आयु वर्ग से ऊपर के नशे से पी?ितों का, जो नशा छो?ना चाहते हैं, इन सभी चिकित्सालयों में डॉक्टर, स्टॉफ, दवा, योग आदि की पूरी व्यवस्थायें मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त नशा उन्मूलन को ध्यान में रखते हुये एक साफ्टवेयर भी विकसित विकसित किया गया है, जो पी?ितों के इलाज में काफी मददगार साबित होगा।

विनय शंकर पाण्डेय ने कार्यक्रम के दौरान होम्योपैथी विभाग के अधिकारियों से वर्ष 2022-23 में डेंगू सहित विभिन्न बीमारियों का इलाज होम्योपैथी विधा में किये जाने तथा वर्ष 2022-23 में कितने होम्योपैथिक शिविरों का आयोजन किया गया, के सम्बन्ध में भी जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022-23 में 202503 मरीजों का होम्योपैथी विधा के माध्यम से सफल इलाज किया गया तथा स्कूल हेल्थ कैम्प, डेंगू कैम्प, अमृत योजना के तहत बहुद्देशीय कैम्प सहित कुल 242 कैम्प लगाये गये, जिनमें 27954 लोग लाभान्वित हुये।

जिलाधिकारी ने कहा कि होम्योपैथी विधा से नशा उन्मूलन का कार्यक्रम चलाना होम्योपैथी विभाग की अच्छी पहल है, जिसका लाभ पी?ति परिवारों सहित पूरे समाज को मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि होम्योपैथी विभाग ने जो पहल की है, उसका व्यापक प्रचार-प्रसार होम्योपैथी चिकित्सालय के आसपास के गांवों व अन्य क्षेत्रों में बैनर, पम्पलेट, पोस्टर, होर्डिंग, आडियो-वीडियो सन्देश, आशा वर्कर्स, आंगनवा?ी वर्कर्स, जागरूकता बैठक, स्वयं सेवी संस्थाओं सहित गायत्री परिवार से जु? हुये लोगों के माध्यम से किया जाये। उन्होंने आशा वर्कर्स, आंगनबा?ी वर्कर्स, स्वयं सेवी संस्थाओं तथा गायत्री परिवार से जु? हुये लोगों से कहा कि वे नशे से पी?ति व्यक्ति को प्रोत्साहित कर, जन-जागरूकता फैलाकर, इन अस्पतालों तक पहुंचाने में अपना बहुमूल्य सहयोग दें, जिसके लिये आपसी समन्वय बहुत आवश्यक है।

मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि नशा उन्मूलन के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही अन्य संस्थाओं के साथ-साथ होम्योपैथी विभाग भी अब अपना भरपूर सहयोग प्रदान करेगा तथा सभी आपसी समन्वय स्थापित करते हुये नशे के प्रकोप से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित करते हुये इस क्षेत्र में कार्य करना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यक्रम में नशा उन्मूलन के सम्बन्ध में परियोजना निदेशक डीआरडीए विक्रम सिंह, चिकित्साधीक्षक डॉ0 सी0पी0 त्रिपाठी, डॉ0 आर0के0 सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 योगेश शर्मा, जी0एम0 डीआईसी सुश्री पल्लवी गुप्ता ने भी अपने विचार व सुझाव रखे। इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 राजीव वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुलेखा सहगल, आशा वर्कर्स, आंगनबा?ी वर्कर्स, चिकित्सा जगत से जु? हुये गायत्री परिवार के सदस्य, स्वयं सेवी संस्थाओं सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षप्ति खबरें

निजी स्कूलों की मनमानी रोकने को फीस एक्ट की मांग

देहरादून। राष्ट्रीय आदर्श पार्टी ने निजी स्कूलों पर मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी के पदाधिकारियों ने सोमवार को मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन दिया। पार्टी के अध्यक्ष एमएस कटारिया ने कहा कि पांच जनवरी 2022 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री ने प्राधिकरण के गठन के आदेश किए थे। इसका काम शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए फीस ऐक्ट लाना था। इसके अलावा अभिभावकों की रोजाना की शिकायतों के निस्तारण के लिए समिति भी बनाई जानी थी। लेकिन, आज तक न तो यह प्राधिकरण बन पाया और ना ही आगे कोई प्रगति हुई। उन्होंने इसके गठन की मांग उठाई। निजी शिक्षण संस्थाओं में रि-एडमिशन (एनुअल चार्ज) के नाम पर ली जाने वाली फीस पर रोक लगाई जाए। दस प्रतिशत से ज्यादा फीस बढ़ाने वालों पर कार्रवाई के साथ फीस वापस की जाए। ड्रेस-जूते और अन्य सामान स्कूल या उनकी बताई दुकान से लेने का दबाव न डाला जाए। एनसीईआरटी के अलावा दूसरी किताबें लगाने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की जाए।

सर, नेताओं के विवाद सुलझाइये, अनुशासन को कीजिए सख्त

देहरादून। सर, पार्टी के बड़े नेताओं के विवाद सुलझवाइये। सख्त अनुशासन लागू करिए। जब तक अनुशासनहीनता करने वालों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक बात बनने वाली नहीं है। हो सके तो पूरे संगठन के लिए सेवादल की ट्रेनिंग को भी अनिवार्य किया जाए। पार्टी के मनभेदों की पड़ताल के लिए देहरादून आए केंद्रीय पर्यवेक्षक पीएल पूनिया सोमवार को फ्रंटल संगठनों से रूबरू हुए तो करीब करीब सभी का यही दर्द सामने आया। कांग्रेस भवन में बंद कमरे में पूनिया ने बारी बारी से विभिन्न फ्रंटल संगठन, प्रकोष्ठ और विभाग के पदाधिकारियों से बातचीत की। सूत्रों के अनुसार यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने संगठन में जवाबदेही तय किए जाने की पैरवी की। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने आने वाले चुनावों की तैयारियों पर भी विचार रखे। साथ ही सभी नेताओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रयास करने का सुझाव दिया।

दून में 500 किलो घटिया क्वालिटी का पनीर नष्ट कराया

देहरादून। चारधाम यात्रा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने को छापेमारी शुरू कर दी है। सोमवार सुबह मुख्यालय और जिले की टीम ने धर्मपुर डांडा में हरिद्वार की ओर से आई एक गाड़ी में 500 किलो घटिया क्वालिटी का पनीर मिला, जिसे नगर निगम की टीम की मदद से नष्ट कराया गया। वहीं, क्लेमेंटटाउन, धर्मपुर, नेहरू कॉलोनी समेत कई जगहों पर डेयरियों पर छापेमारी की। यहां से आठ सैंपल भरे गए। इस दौरान उपायुक्त जीसी कंडवाल, उपायुक्त राजेंद्र सिंह रावत, डीएफएसओ पीसी जोशी, सीएफएसओ रमेश सिंह, योगेंद्र पांडेय, संजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

बीकेटीसी में तैनात होगा वित्त अधिकारी

देहरादून। बदरी केदार मंदिर समिति में जल्द ही वित्त अधिकारी की तैनाती की जाएगी। सरकार ने बीकेटीसी में वित्त अधिकारी के पद को स्वीकृति दे दी है। सचिव धर्मस्व एवं संस्कृति हरिचंद सेमवाल की ओर से इसके आदेश किए गए हैं। विदित है कि बदरी केदार मंदिर समिति में वित्त अधिकारी का पद नहीं था। इस वजह से बीकेटीसी में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कुछ समय पूर्व इस संदर्भ में शासन के अधिकारियों को अवगत कराया गया था। जिसके बाद अब बीकेटीसी में वित्त अधिकारी का अस्थाई पद सृजित किया गया है। 5400 ग्रेड के इस पद पर अब जल्द ही शासन के स्तर से तैनाती की जाएगी। विदित है कि बीकेटीसी बद्रीनाथ के साथ ही केदारनाथ धाम में यात्रा के संचालन का काम करती है। लेकिन वित्त अधिकारी न होने की वजह से कई वित्तीय कार्यों में परेशानियां हो रही थी। इसे देखते हुए अब बीकेटीसी में पद मंजूर कर तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।